CMYK

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

डाक– 15 मार्च, शुक्रवार, 2019

वर्ष–21 अंक–287 | बिलासपुर, गुरुवार 14 मार्च 2019 | पृष्ठ–8 मूल्य–2 रुपया | ❑ बिलासपुर ❑ रायपुर ❑ जगदलपुर से प्रकाशित

आतंकी मसूद का बचाव करने वाले चीन से डर गए मोदी : राहुल

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के राह में चीन ने एक बार फिर अड़ंगा लगाए जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला है। राहुल ने ट्वीट किया है कि कमजोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से डरे हुए हैं और चीन के खिलाफ उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकलता है। राहुल ने तंज कसा है कि यह प्रधानमंत्री की चीन के लिए कैसी नमो डिप्लोमेसी है!

जमात-ए-इस्लामी, अलगाववादियों के खिलाफ नहीं होने दी कार्रवाई–महबूबा

जम्मू। पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि राज्य में गठबंधन सरकार के समय भाजपा जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाना चाहती थी और हुर्रियत के खिलाफ कार्रवाई करना चाहती थी, लेकिन उन्होंने अपनी सरकार में ऐसा नहीं होने दिया। महबूबा ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय जांच एजेंसी के माध्यम से अलगाववादियों को दबाने का प्रयास करना चाहती थी।

ब्रेकिंग न्यूज

अजीम प्रेमजी करेंगे 52,750 करोड़ रुपये दान, अब तक किए 1.45 लाख करोड़ दान

नई दिल्ली, विप्रो के चेयरमैन अजीम प्रेमजी अपनी हिस्सेदारी का 34 फीसदी परोपकार को कामों के लिए दान करेंगे। ये हिस्सेदारी 7.5 अरब डॉलर यानी करीब 52,750 करोड़ रुपए है। ऐसा करके वह भारतीय इतिहास में दान करने करने वाले उदार व्यक्ति बन गए हैं।

विप्रो देश की तीसरी बड़ी आईटी कंपनी है। अजीम प्रेमजी 'अजीम प्रेमजी फाउंडेशन' के जरिए परोपकार के काम करते हैं। इसमें वह अब तक 21 अरब डॉलर यानी 1.45 लाख करोड़ रुपए दान दे चुके हैं। दिसंबर 2018 में विप्रो में प्रमोटर समूह की हिस्सेदारी 74.3त्न थी। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से 5 साल में 150 एनजीओ को फंड मिला है। उनका फाउंडेशन शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहा है। उनका लक्ष्य पब्लिक स्कूलों के सिस्टम को बेहतर बनाना है। फाउंडेशन शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले एनजीओ को फंड्स देता है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन कर्नाटक, उत्तराखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पुडुचेरी, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और उत्तर-पूर्वी राज्यों में सक्रिय है। उनका फाउंडेशन बेंगलुरु में अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी भी चलाता है। जल्द ही इस यूनिवर्सिटी को 5 हजार छात्रों और 400 शिक्षकों की क्षमता वाला बनाया जाएगा। इसके बाद उत्तर भारत में भी एक यूनिवर्सिटी खोलने की योजना है।

बसपा उम्मीदवारों की घोषणा जल्द

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। महासंग्राम में बदल चुकी लोकसभा चुनाव 2019 को लड़ाई को लेकर राजनीतिक पार्टियां लगातार रैलियां, बैठकें, सम्मेलन और जनसभाएं कर रही हैं। भाजपा और कांग्रेस इस मामले में भी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की ताबड़तोड़ रैलियों के बाद अब कांग्रेस भी आक्रामक दिख रही है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की भी जनसभाएं शुरू हो गई है। पटना में भाजपा चुनाव समिति की बैठक शुरू हो चुकी है। संभावना जताई जा रही है कि बिहार में सीटें फाइनल करने और उम्मीदवारों के नाम तय करने को लेकर यह बैठक हो रही है और आज सीटें तय हो सकती है। मालूम हो कि बिहार में एनडीए गठबंधन में भाजपा और जदयू 17-17 सीटों पर और लोजपा शेष छह सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

पाकिस्तान की वजह से अमेरिका और यूरोप की उड़ानों का खर्च बढ़ा

नई दिल्ली,14 मार्च (एजेंसी)। एयर इंडिया ने दिल्ली–मैड्रिड और दिल्ली–बर्मिंघम मार्गों पर परिचालनगत कारणों के चलते अपनी उड़ानें 16 मार्च से अगले आदेश तक रोक देने का ऐलान किया है। भारतीय वायु सेना की बालाकोट एयर स्ट्राइक के कारण पाकिस्तान ने 26 फरवरी से अपना वायु क्षेत्र बंद कर रखा है। इसकी वजह से यूरोप और अमेरिका के लिए उड़ानों पर एयर इंडिया का खर्च बढ़ गया है।

एक ट्वीट में एयर इंडिया ने कहा, परिचालनगत कारणों से एयर इंडिया की उड़ानें 16 मार्च 2019 से अगले नोटिस तक रोकी जा रही हैं। आगे एयरलाइन ने कहा है कि एआई 135 दिल्ली–मैड्रिड उड़ान और एआई 136 मैड्रिड–दिल्ली उड़ान रोकी जाएंगी।

एयर इंडिया ने कहा है कि एआई 113 दिल्ली–बर्मिंघम उड़ान और एआई114 बर्मिंघम–दिल्ली उड़ान को भी रोका जाएगा। साथ ही एयरलाइन ने कहा कि एआई 117 दिल्ली–अमृतसर–बर्मिंघम उड़ान और एआई 118 बर्मिंघम–अमृतसर–दिल्ली उड़ान को भी रोका जाएगा।

इस फैसले से यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद जताते हुए एयरलाइन ने उनसे रिफंड की राशि लेने की अपील की है।

इमरान उदार हैं तो भारत को मसूद सौंपें : सुषमा

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने एक कार्यक्रम में कहा कि यदि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान इतने ही उदार हैं तो उन्हें जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन के सरगना मसूद अजहर को भारत को सौंप देना चाहिए। विदेश मंत्री ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि कई लोग कहते हैं कि इमरान खान राजनेता हैं। अगर वे इतने ही उदार हैं तो फिर मसूद अजहर को भारत को सौंपें।

सुषमा स्वराज ने आगे कहा कि पाकिस्तान जब तक अपनी जमीन से चल रहे आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता तब तक भारत की उससे कोई बातचीत नहीं हो सकती। उन्होंने बातचीत व आतंकवाद के साथ-साथ नहीं चलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आईएसआई और अपनी सेना पर नियंत्रण करने की जरूरत है जो बार-बार द्विपक्षीय रिश्तों को बर्बाद करने पर तुले हैं। उन्होंने कहा, हम आतंकवाद पर बात नहीं चाहते, हम उस पर कार्रवाई चाहते हैं। आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते।

स्वराज से भारत द्वारा बालाकोट में की गई भारतीय हवाई कार्रवाई के बाद पाकिस्तानी पलटवार के बारे में भी सवाल पूछा गया, इस पर उन्होंने कहा कि भारत ने खास तौर पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने को निशाना बनाया। उन्होंने कहा, जैश की तरफ से पाकिस्तानी सेना ने हम पर हमला क्यों किया? आप न सिर्फ जैश को अपनी जमीन पर पाल रहे हैं बल्कि उन्हें वित्त पोषित कर रहे हैं और जब पीड़ित देश प्रतिरोध करता है तो आप आतंकी संगठन की तरफ से उस पर हमला करते हैं।

राहुल गांधी एक घंटे के प्रवास पर कल छत्तीसगढ़ आएंगे

हाईवे चैनल

रायपुर, 14 मार्च। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी कल राजधानी रायपुर आ रहे हैं। श्री गांधी ओडिशा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कल राजधानी रायपुर आएंगे। वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के छत्तीसगढ़ प्रभारी पीएल पुनिया भी कल दोपहर 2 बजे राजधानी रायपुर पहुंच रहे हैं। इसके पश्चात वे सीधे एक कार्यशाला में शामिल होने के लिए रवाना हो जाएंगे।

पीसीसी सूत्रों ने बताया कि एआईसीसी के छत्तीसगढ़ प्रभारी पीएल पुनिया कल दोपहर 2 बजे नियमित विमानसेवा से राजधानी रायपुर आएंगे। माना विमानतल पर कांग्रेसजनों से संक्षिप्त मेल-मुलाकात के बाद वे मायाराम सुरजन फाउंडेशन द्वारा आयोजित सबके लिए स्वास्थ्य का अधिकार विषय पर आयोजित कार्यशाला में शामिल होंगे। ज्ञात हो कि कल ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी भी राजधानी रायपुर आ रहे हैं। श्री गांधी ओडिशा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कल राजधानी रायपुर आएंगे। नियमित विमानसेवा से वे दोपहर में रायपुर आएंगे। यहां करीब एक घंटे विविध कार्यक्रमों में शामिल होने तथा कांग्रेसजनों से संक्षिप्त मेल-मुलाकात के बाद वे ओडिशा रवाना हो जाएंगे। ओडिशा से वापसी में भी वे कुछ समय के लिए रायपुर में रुकेंगे और यहां से सीधे नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

नकल रोकने के लिए गठित उड़नदस्ता पर सवालिया निशान

हाईवे चैनल

रायपुर, 14 मार्च। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं आरंभ हो चुकी हैं। वहीं विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इन परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए उड़नदस्ता दल का गठन करते रहा है। इस बार विश्वविद्यालय ने तीन दल का गठन किया है जिसमें अधिकांश खेल विभाग से जुड़े अधिकारी हैं। परंतु गठित दस्ते के सदस्यों को लेकर कई सवाल सामने है। इसमें एक प्रमुख सवाल यह है कि दस्ते के सदस्य वे ज्यादातर खेल अधिकारी है जो शासकीय और गैर शासकीय महाविद्यालय में खेल विभाग की गतिविधियों का संचालन करते है। ऐसा कहा जा रहा है कि उक्त सदस्य नकल रोकने की प्रक्रिया में गंभीरता नहीं रखते है। वे केवल प्रतिदिन फेरे और उनकी अपनी निर्धारित पारिश्रमिक पर अधिक ध्यान होता है। यही वजह है कि बड़े पैमाने पर चल रही नकल सामने नहीं आ पाती है। साथ ही संबंधित अधिकारी अपने महाविद्यालय में छापे की सूचना पूर्व समय पर दे देते है। इससे नकल नहीं पकड़ी जाती है। जबकि संबंधित खेल अधिकारियों के कॉलेज में बड़ी मात्रा में नकल होने की सूचनाएं अपुष्ट सूत्रों से प्राप्त हो रही है। वहीं विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलसचिव का कहना है कि उड़नदस्ता दल के गठन में पूरी प्रक्रिया का पालन होता है इसमें विश्वविद्यालय स्तर पर सर्च कर 15-20 शिक्षकों के नाम तय किए जाते है। उन नामों में से शिक्षक की स्वीकारोक्ती के बाद पैनल तय किए जाते है जो परीक्षा के दौरान छापे की कार्रवाई करते है। इसमें प्रति शिक्षक 600 रुपए पारिश्रमिक प्रतिदिन के हिसाब से प्रदान किया जाता है। उनका कहना था कि बिलाईगढ़ से लेकर रायपुर तक के महाविद्यालयों में यह छानबीन का काम दस्ते के सदस्य करते है।

अधिकांश सदस्य खेल विभाग से संबंधित जुड़े

परंतु दूसरा सवाल यह है कि जिन सदस्यों को दस्ते में अब तक शामिल किया जाता रहा है। वे रविवि के स्पोर्ट्स विभाग से जुड़े अधिकारी रहे है। इसमें उड़नदस्ता में शामिल रविन्द्र मिश्रा पूर्व में खेल विभाग के डायरेक्टर रहे है। प्रो. अगासे, प्यारेलाल साहू, प्रकाश ठाकुर, प्रेमशंकर एवं अन्य सभी खेल विभाग से जुड़े रहे है जो उड़नदस्ता में पूर्व व वर्तमान में सदस्य है। जिन्हें उड़नदस्ते के सही कर्तव्य का परिपालन भी ज्ञात नहीं है। ऐसा आरोप अपुष्ट सूत्रों के माध्यम से लगाया गया है। बहरहाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव गिरीशकांत पांडे ने कहा कि वे उड़नदस्ते की कार्यशैली को लेकर नए सिरे से परीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि उड़नदस्ते की तरह से कार्रवाइयां निर्धारित कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि विश्वविद्यालय स्तर की इन परीक्षाओं में हाईटेक तकनीक से नकल की जा रही है। जिसमें मोबाइल का उपयोग भी दुरुस्थ ग्रामीणों इलाकों के कॉलेजों में देखने को मिल रहा है। जहां तक उड़नदस्ते के टीम कमोबेश एकाधबार ही पहुंच पा रही है। यहीं नहीं परंपरागत तौर पर पर्चियां बनाकर नकल करने की तकनीक चल रही है। विश्वविद्यालय के परीक्षाओं को प्रारंभ होकर आठ दिन होने जा रहे है लेकिन एक भी बड़ी नकल किसी महाविद्यालय से पकड़े जाने की सूचनाएं सामने नहीं आ पाई है। अलबत्ता विश्वविद्यालय की पूरी परीक्षा प्रणाली पर सवालियां निशान लगने जा रहा है।

विवि के निर्धारित रूट चार्ट पर दस्ते करते है छापे की कार्रवाई

विश्वविद्यालय प्रबंधन में कुलसचिव का उपरोक्त विषय में कहना है कि उड़नदस्ता के सदस्य को प्रतिदिन कॉलेजों के रूट चार्ट दिए जाते है। जहां पर वे छापे की कार्रवाई कर नकल पकड़ते है। इसकी सूचना गोपनीय रखी जाती है। फिर भी गोपनीयता भंग होने के सवाल पर वे स्वयं दस्ते के कार्यप्रणाली का परीक्षण करेंगे ताकि विश्वविद्यालय के परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए गठित दल बेहतर ढंग से काम कर सके और पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं आयोजित हो सके।

प्रो. गिरीशकांत पांडे
कुलसचिव पं.रविवि, रायपुर,

बीजेपी की टिकट पर गौतम गंभीर लड़ सकते हैं चुनाव

दिल्ली की इन 3 सीटों में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली,14 मार्च (एजेंसी)। बीते लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सीटों पर जीत का परचम लहराने वाली भाजपा इस बार बड़े बदलाव कर सकती है। कुछ सांसदों के टिकट कट सकते हैं तो कुछ के चुनाव क्षेत्र बदल सकते हैं। पार्टी के संकेतों को मानें तो दो से तीन नए चेहरों को टिकट देने की तैयारी है। इनमें एक नाम पूर्व टेस्ट क्रिकेटर गौतम गंभीर का भी है।

दिल्ली की राजनीति हर चुनाव में अलग तरह के नतीजे देती है। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा ने सभी सातों सीटों पर कब्जा किया था, वहीं उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में उसे 70 में से महज तीन सीटें मिली थीं। कांग्रेस का तो खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद नगर निगम चुनावों में फिर से बाजी भाजपा के हाथ रही। दरअसल, भाजपा ने नगर निगम चुनाव में मौजूदा अधिकांश पार्षदों को बदल दिया था, जिसका उसे लाभ मिला था।

अब लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा नेतृत्व नई रणनीति बना रहा है, जिसमें कुछ सीटों पर नए चेहरे लाने की तैयारी है। .उत्तर पूर्वी दिल्ली से सांसद व प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी के फिर से इसी सीट से उम्मीदवार बनने की संभावना है, जबकि पूर्वी दिल्ली से सांसद महेश गिरी की सीट इस बार खतरे में मानी जा रही है। सूत्रों का कहना है कि इस क्षेत्र की कृष्णा नगर सीट से कई बार विधायक रहे डॉ. हर्षवर्धन को उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

दक्षिण दिल्ली में मौजूदा सांसद रमेश बिधूड़ी का पलड़ा भारी है, जबकि पश्चिम दिल्ली में प्रवेश वर्मा फिर से टिकट की तैयारी में हैं। हालांकि, इस सीट पर पार्टी बदलाव पर भी विचार कर रही है।

कांग्रेस को लोकसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका

भाजपा में शामिल हुए वरिष्ठ नेता टॉम वडक्कन

नई दिल्ली,14 मार्च (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को गुरुवार को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता टॉम वडक्कन कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए हैं। टॉम दिल्ली में केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए। वडक्कन ने पुलवामा आतंकी हमले के बाद वायु सेना के हवाई हमले पर अपनी पूर्व पार्टी के रुख को लेकर उस पर निशाना साधा।

बीजेपी में शामिल होने के बाद टॉम वडक्कन ने कहा कि मैंने कांग्रेस पार्टी इसलिए छोड़ी क्योंकि जब पाकिस्तानी आतंकियों ने हमारी जमीन पर हमला किया तब हमारी पार्टी का रिएक्शन अच्छा नहीं था। इससे मुझे गहरा दुख पहुंचा है।

वडक्कन ने बीजेपी में शामिल होने के बाद कहा, पाकिस्तान स्थित आतंकवादी शिविर पर हुए हमले पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया दुखद थी।

उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई राजनीतिक पार्टी देश के खिलाफ ऐसा रवैया अपनाती है तो फिर मेरे पास पार्टी को छोड़ने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचा था। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका विकास को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच पर पूरा विश्वास है।

भाजपा का पलटवार

मसूद अजहर पर चीन वीटो लगाता है तो राहुल खुश होते हैं- प्रसाद

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसी)। मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करने पर एक बार फिर से चीन ने अड़ंगा लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में वीटो का इस्तेमाल किया है। जिसके बाद से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सबसे पहले कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि कमजोर मोदी शी चिनफिंग से डरे हुए हैं।

इसके बाद कांग्रेस ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विफल मोदी सरकार की विफल विदेश नीति उजागर हुई है। कांग्रेस के आरोपों पर केंद्रीय कानून मंत्री ने प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने राहुल गांधी से पूछा कि जब भारत को पीड़ा होती है तो राहुल गांधी को खुशी क्यों होती है? इसके अलावा उन्होंने कहा कि राहुल के चीन के साथ अच्छे संबंध हैं।

उन्होंने कहा कि चौथी बार अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने की कोशिश की थी। यह फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन का प्रस्ताव था। यह भारत की कूटनीतिक जीत है कि जिसके लिए पहले वह पहल करता था अब अन्य देश उसका साथ दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, आतंकवादी मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए इस बार प्रस्ताव अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस लेकर आए, चीन को छोड़कर बाकी सभी देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। चीन के इस कदम से भारत और भारतवासी बहुत दुखी हैं। आज चीन को छोड़कर पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। ये एक तरह से भारत की कूटनीतिक जीत है।

प्रसाद ने कहा, मसूद अजहर को लेकर कांग्रेस का रुख दूसरा है। राहुल के चीन के साथ अच्छे संबंध हैं। राहुल गांधी से मेरा सवाल है कि 2009 में यूपीए के समय में भी चीन ने मसूद अजहर पर यही टेक्निकल आपत्ति लगाई थी, तब भी आपने ऐसा ट्वीट किया था क्या? मसूद को जब चीन बचाता है तो राहुल को खुशी होती है। राहुल गांधी जी आज आपको विरासत के कारण ही चीन सुरक्षा परिषद का सदस्य है

राष्ट्रपति कोविंद ने आर्मी चीफ समेत 19 वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को परम विशिष्ट सेवा पदक से नवाजा

नई दिल्ली,14 मार्च (एजेंसी)। गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आर्मी चीफ विपिन रावत को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) से सम्मानित किया। राष्ट्रपति द्वारा अन्य 19 वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भी परम विशिष्ट सेवा पदक से नवाजा गया है। बता दें कि पीवीएसएम, भारत का एक सैन्य पुरस्कार है। इसका गठन 1960 में किया गया था और तब से आज तक, यह शांति के लिए और सेवा क्षेत्र में सबसे असाधारण कार्य (मरणोपरांत भी) के लिए सम्मानित किया जाता रहा है।

जानकारी के मुताबिक जनरल रावत के अलावा जिन्हें यह सम्मान दिया गया है, उनमें 15 लेफ्टिनेंट जनरल व तीन मेजर जनरल हैं। रक्षा मंत्रालय ने शांति काल का दूसरा सर्वोच्च सैन्य सम्मान कीर्ति चक्र दो सैन्य अफसरों को देने का फैसला किया है। यह जाट रेजिमेंट के मेजर तुषार गौबा और 22वीं राष्ट्रीय

राइफल्स के सोवर विजय कुमार (मरणोपरांत) को दिया जाएगा। जबकि, सीआरपीएफ के दो जवानों प्रदीप कुमार पांडा (मरणोपरांत) और राजेंद्र कुमार नैन (मरणोपरांत) को भी कीर्ति चक्र के लिए चुना गया है। जबकि, शांति काल का तीसरा सर्वोच्च सैन्य सम्मान शौर्य चक्र नौ सैन्य अफसरों को प्रदान किया जाएगा।

इनमें 10 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स) के लेफ्टिनेंट कर्नल विक्रांत प्रेशर, 14 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर अमित कुमार डिमरी, 4 गोरखा राइफल्स के मेजर इमलियाकुम केज़ंग, पैराशूट रेजिमेंट की नौवीं बटालियन के मेजर रोहित लिंगवाल और पहली बटालियन के कैप्टन अभय शर्मा शामिल हैं।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक शौर्य चक्र पाने वालों में 21 राष्ट्रीय राइफल्स के कैप्टन अभिनव कुमार चौधरी, राष्ट्रीय राइफल्स की नौवीं बटालियन के लांस नायक अय्युब अली, 42वीं बटालियन सिपाही अजय कुमार और 44वीं बटालियन के सैपर महेश एचएन भी शामिल हैं।

चिराग पासवान पर पिता की विरासत आगे ले जाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली चिराग पासवान बिहार के कद्दावर दलित नेता और केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के पुत्र हैं। फिराग ने पहले फिल्मों में किस्मत आजमाई पर वहां कमाल नहीं दिखा सके, फिर राजनीति का रुख किया। 36 वर्षीय चिराग ने वर्ष 2014 में पहली बार चुनाव लड़ा और जमुई से 16वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में चुने गए।

चिराग ने जिस दौर में राजनीति में कदम रखा उस वक्त उनके पिता की लोकजनशक्ति पार्टी (लोजपा) की हालात बिहार में कुछ खास अच्छी नहीं थी। पर 2014 के चुनाव से पहले लोजपा का भाजपा के साथ गठबंधन हुआ। इसमें लोजपा को राज्य में सात सीटें मिलीं जिसमें पार्टी ने छह सीटों पर जीत हासिल की। माना जाता है कि लोजपा का भाजपा के साथ जाने के फैसले के पीछे चिराग ही थे जिसका पार्टी को बड़ा लाभ हुआ। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर एनडीए के दलों के बीच सीट बंटवारा हो चुका है। जेडीयू और भाजपा 17-17 सीटों पर जबकि लोजपा छह सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

पार्टी की बागडोर चिराग के हवाले = चिराग को लोकजनशक्ति पार्टी में संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। रामविलास पासवान ने उन्हें पार्टी से जुड़े तमाम फैसले लेने के लिए अधिकृत कर दिया है। दूसरे शब्दों में कहें तो पार्टी की बागडोर अब उनके ही हाथ में है। उन पर अब पिता से मिली सियासी विरासत को आगे ले जाने की जिम्मेदारी है।

CMYK